

न्यायालय अपर कलक्टर, नागौर

बड़जलास - श्री राकेश कुमार गुप्ता, आर0ए0एस0

राजस्व अपील संख्या 152/2018

अपीलान्ट्स

बनाम

रेस्पोडेन्ट्स

- 1 इन्द्रादेवी पुत्री रामप्रसाद पत्नी परसाराम जाति जाट निवासी बलाया तहसील मुण्डवा जिला नागौर हाल निवासी जोधपुर।
- 2 समन्दुदेवी पुत्री रामप्रसाद पत्नी मनोहर जाति जाट निवासी बलाया तहसील मुण्डवा जिला नागौर हाल निवासी भावण्डा।
- 3 विमला पुत्री रामप्रसाद पत्नी सुरेश जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी पालडी पिचकियां।

- 1 बिदाभी पत्नी रामप्रसाद जाति जाट निवासी बलाया।
- 2 सहीती पत्नी भारमल जाति जाट निवासी बलाया।
- 3 दीपू पुत्र भारमल जाति जाट निवासी बलाया तहसील मुण्डवा।
- 4 विजेन्द्र पुत्र भारमल जाति जाट निवासी बलाया तहसील मुण्डवा।
- 5 बन्दू पुत्री भारमल जाति जाट निवासी बलाया तहसील मुण्डवा रेस्पोडेन्ट संख्या 4 से 5 नाबालिग है जिसके संरक्षक वलिया माता रेस्पोडेन्ट संख्या 2 सहीती पत्नी भारमल निवासी बलाया तहसील मुण्डवा।
- 6 नायब तहसीलदार नागौर।
- 7 शाखा प्रबन्धक एसवीबीजे बैंक शाखा मुण्डवा।
- 8 मोवनी पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी सुखराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी मुन्दियाड तहसील मुण्डवा जिला नागौर।
- 9 बाउडी पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी पांचाराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी चांतरा मांजरा तहसील व जिला नागौर।
- 10 गणपती पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी भंवरूराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी ग्वालू तहसील मुण्डवा जिला नागौर।
- 11 सिणगारी पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी जसाराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी ग्वालू तहसील मुण्डवा जिला नागौर।
- 12 पांची पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी माधाराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी भाकरोद तहसील नागौर जिला नागौर।
- 13 सीता पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी सीताराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी जनाणा तहसील मुण्डवा जिला नागौर।
- 14 शांति पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी मेहराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी डेहरु तहसील मुण्डवा जिला नागौर।

उपस्थिति :-

1. श्री बाबूलाल खोजा अधिवक्ता अपीलान्ट्स की ओर से।
2. श्री महेन्द्र सिंह, अधिवक्ता रेस्पोडेन्ट संख्या 02 से 05 तथा 08 से 14 की ओर से।
3. श्री ओमप्रकाश पूनिया राजकीय अधिवक्ता रेस्पोडेन्ट 06 से 07 की ओर से।

निर्णय

{1}-अपीलान्ट्स ने यह अपील धारा 75 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 के तहत नायब तहसीलदार नागौर द्वारा मौजा मुन्दियाड के नामान्तरकरण सं. 703 निर्णय दिनांक 06.12.2001 से असंतुष्ट होकर दिनांक 18.05.18 को प्रस्तुत की गई है। अपीलान्ट्स की अपील दिनांक 04.06.18 को मियाद का बिंदु विचाराधीन रखते हुए दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोडेन्ट्स को जरिये सम्मन सुनवाई हेतु तलब किया गया। अदालत मातहत का मूल अभिलेख मंगवाया गया। अपील के विचाराधीन रहते हुए प्रार्थिया मोवनी पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी सुखराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी मुन्दियाड तहसील मुण्डवा, बाउडी पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी पांचाराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी चांतरा मांजरा तहसील व जिला नागौर, गणपति पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी भंवरूराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी ग्वालू तहसील मुण्डवा, सिणगारी पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी जसाराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी ग्वालू तहसील मुण्डवा, पांची पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी माधाराम निवासी बलाया हाल निवासी भाकरोद तहसील व जिला नागौर, सीता पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी सीताराम निवासी बलाया हाल निवासी जनाणा तहसील मुण्डवा, शांति पुत्री स्व. चुनाराम पत्नी मेहराम जाति जाट निवासी बलाया हाल निवासी डेहरु तहसील मुण्डवा जिला नागौर द्वारा प्रार्थना पत्र अधीन आदेश 1 नियम 10 एवं सपठित धारा 151 सी. पी. सी. प्रकरण में प्रार्थीगण को बतौर रेस्पोडेन्ट्स पक्षकार बनाए जाने को लेकर दिनांक 23.10.19 को प्रस्तुत किया गया। जिन्हे बाद सुनवाई दिनांक 04.07.23 को बतौर रेस्पोडेन्ट सं. 8 से 14 प्रकरण मे पक्षकार बनाया गया। रेस्पोडेन्ट संख्या 01 बावजूद सूचना के न्यायालय में अनुपस्थित रहा।

दिनांक 20.09.2023


अपर कलक्टर, नागौर

Page 01 of 03

रेस्पोडेन्ट संख्या 02 से 05 तथा 08 से 14 की ओर से महेन्द्र सिंह अधिवक्ता ने वकालतनामा पेश किया तथा रेस्पोडेन्ट संख्या 06 एवं 07 की ओर से ओमप्रकाश पूनिया राजकीय अधिवक्ता उपस्थित हुए। अपीलांट्स ने अपनी अपील के समर्थन में नामान्तरकरण सं. 703 की प्रमाणित फोटोप्रति, तथा रेस्पोडेन्ट संख्या 02 से 05 तथा 08 से 14 के अधिवक्ता ने पांची के पेन कार्ड की फोटोप्रति पेश की।

[2]—उभयपक्ष के वकूलाय की बहस सुनी गई। अपीलान्ट्स के विद्वान अभिभाषक द्वारा मियाद के बिंदु पर बताया गया कि अपीलांट्स अनपढ़ एवं ग्रामीण परिवेश की महिला हैं और अपीलांट्स अपने पिता के व दादा के व भाई के जीवन काल में बेरोकटोक कब्जाकाश्त व हक अधिकार रहता चला आया था जिसमें अपीलांट के व दादा व दादग्रस्त भूमि के राजस्व रेकर्ड के तरफ ध्यान नहीं दिया और जैर अपील नामान्तरण भी अपीलांट्स के बाले बाले ही बिना सूचना दिये ही स्वीकृत किया गया था जिससे जैर अपील नामान्तरण की अपीलांट्स को जानकारी नहीं हो सकी। अभी अपने भाई भारमल का देहान्त हुआ तो देहान्त के बाद रेस्पोडेन्ट कहने लगे कि इस वादग्रस्त भूमि पर इस वर्ष काश्त नहीं करने देंगे क्योंकि आपका इस भूमि में कोई हक नहीं है और न ही खातेदार है। तब अपीलांट्स ने दिनांक 16.05.18 को पटवारी हल्का के पास जाकर राजस्व रेकर्ड की तरफ ध्यान दिया और दिनांक 17.05.18 को नकल हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर दिनांक 18.05.18 को नामान्तरण की नकल मिलने पर सर्वप्रथम जानकारी हुई। जानकारी से अन्दर मियाद अपील पेश है। जिसे मियाद में शुमार की जाना न्यायोचित है। अपीलांट्स द्वारा गियाद प्रार्थना पत्र के समर्थन में शपथ पत्र तस्दीकसुदा प्रस्तुत किया गया है। जो माकूल आधार पर प्रतीत होता है। अतः अपीलांट्स की अपील अंदर मियाद शुमार की जाती है। अंतिम बहस शुरू करते हुए वकील अपीलांट्स ने आगे अपनी अपील के तथ्यों को दोहराते हुए तर्क दिया कि—

[2](I)— जैर अपील आदेश बिल्कुल ही अवैध एवं विधिविरुद्ध होने से अपास्त किये जाने योग्य है।

[2](II)— अपीलांट्स स्व. चुनाराम की पौत्रियां हैं और स्व. श्री रामप्रसाद की जाईन्दा पुत्रियां हैं तथा अपीलांट्स चुनाराम व रामप्रसाद की प्रथम श्रेणी की विधिक वारीसान हैं फिर भी रेस्पोडेन्ट ने अपीलांट्स की हक व अधिकारों की पुश्तैनी भूमि को हडपने की नियत से अपीलांट्स के बाले बाले ही जैर अपील म्यूटेशन अवैध एवं विधिविरुद्ध तरीके से स्वीकृत करवाया गया है जो नामान्तरण निरस्त किये जाने योग्य है।

[2](III)—वादग्रस्त भूमि में प्रत्येक अपीलांट्स का 1/5 हिस्सा बराबर बराबर नियत करता है और अपने नियत हक एवं अधिकारों पर काबिज काश्तकार हैं तथा प्रत्येक अपीलांट्स का कानून रूप से भी 1/5— 1/5 हिस्सा में हक व अधिकार नियत होता है और मौके पर काबिज काश्तकार हैं फिर भी रेस्पोडेन्ट संख्या 6 ने अपीलांट्स को बिना कोई सूचना दिये ही बिना कोई मौके की जांच किये ही व बिना वारिसान की जांच किये ही अपीलांट के बाले बाले ही नामान्तरण स्वीकृत किया गया है जो नामान्तरण बिल्कुल ही कानूनी रूप से विधिविरुद्ध है जो अपास्त किये जाने योग्य है।

[2](IV)—रेस्पोडेन्ट संख्या 1 व स्व. भारमल अकेले को अपने नाम नामान्तरकरण स्वीकृत करवाने का व रेस्पोडेन्ट सं 6 को स्वीकृत करने का कोई विधिक अधिकार नहीं था तथा रेस्पोडेन्ट संख्या 6 को प्रत्येक वारिसान व उत्तराधिकारीगण के पक्ष में नामान्तरण स्वीकृत करना कानूनी रूप से आवश्यक था फिर भी रेस्पोडेन्ट संख्या 6 रेस्पोडेन्ट संख्या 1 व स्व. भारमल के प्रभाव में आकर गलत एवं अवैध तरीके से नामान्तरण स्वीकृत करने में कानूनी रूप से बड़ी भारी भूल की गई है तथा कानूनी रूप से अवैध एवं विधिविरुद्ध तरीके से न तो किसी को खातेदारी अधिकार दिये जा सकते हैं और न ही किसी को खातेदारी अधिकारों से वंचित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में भी जैर अपील एवं नामान्तरण कानूनी रूप से भी निरस्त किये जाने योग्य है।


[3]—रेस्पोडेन्ट सं. 02 से 05 एवं 08 से 14 की ओर से अधिवक्ता ने अपनी बहस में बताया कि रेस्पोडेन्ट्स के पिता स्व. चुनाराम की कब्जासुद खातेदारी की पुश्तैनी अविभाजित भूमि खसरा नम्बर 392 रकबा 43 बीघा 1 बिस्वा वाके मौजा मुन्दियाड तहसील मुण्डवा में स्थित रहता चला आया है रेस्पोडेन्ट्स के पिता के देहान्त के पश्चात उक्त पुश्तैनी भूमि का फौतगी म्यूटेशन चुनाराम की पुत्रीयां हम रेस्पोडेन्ट्स सहित स्व. रामप्रसाद के वारीसान के नाम दर्ज करना चाहिए था मगर हस्तगत नामान्तरकरण केवल रेस्पोडेन्ट्स के भाई रामप्रसाद की पत्नी रेस्पो. सं. 1 व रामप्रसाद के पुत्र भारमल ने मिलकर केवल अपने दोनो के नाम नामान्तरकरण दर्ज करवा लिया जबकि राजस्व रेकर्ड से यह भलीभांति साबित था व है कि उक्त भूमि पुश्तैनी है जिससे चुनारामजी के देहान्त के पश्चात चुनाराम की मृत पुत्र रामप्रसाद के वारीसान के अलावा चुनारामजी की हम जायंदा पुत्रीयां भी कानूनन हकदार, खातेदार हुई, रही व है इस कारण रेस्पोडेन्ट्स भी कानूनन हकदार, खातेदार हुई रही व है एक कारण रेस्पोडेन्ट्स के नाम भी फौतगी म्यूटेशन में दर्ज होना चाहिए था मगर रेस्पो. सं. 1 बिदामी व उसके पुत्र स्व. भारमल ने मिल कर चुनाराम की जायंदा पुत्रीयो का नाम जानबूझ कर दर्ज नहीं होने दिया अतः रेस्पोडेन्ट्स संख्या 08 से 14 के नाम भी फौतगी म्यूटेशन में दर्ज होना चाहिए।


अपर कलक्टर, नागौर

{4}- उभय पक्ष के वकूलाय की बहस पर मनन किया। पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रकरण में नायब तहसीलदार नागौर द्वारा मौजा मुन्दियाड के नामान्तरकरण सं. 703 निर्णय दिनांक 06.12.01 से असंतुष्ट होकर अपील प्रस्तुत की गई है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा नामान्तरकरण कार्यवाही से पूर्व संबंधित पक्षकारों की संपूर्ण जानकारी/जांच की जानी चाहिये थी। अपीलांट्स को उक्त कार्यवाही से पूर्व सुना गया हो, ऐसा भी प्रतीत नहीं होता है। नामान्तरकरण बिना विधिक प्रक्रिया के पालना के भरा जाना प्रतीत होता है, ऐसी स्थिति में आदेश जैर अपील में हस्तक्षेप किया जाना उचित प्रतीत होता है।

{5}- उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपीलांट्स की अपील स्वीकार की जाकर नायब तहसीलदार नागौर द्वारा मौजा मुन्दियाड के नामान्तरकरण सं. 703 निर्णय दिनांक 06.12.01 को अपास्त किया जाता है। प्रकरण अधीनस्थ न्यायालय को प्रतिप्रेषित कर निर्देशित किया जाता है कि इस संबंध में सभी दस्तावेज अभिलेख पर लेकर, रामप्रसाद के विधिक वारिसान की जांच कर, दोनों पक्षों को नोटिस देकर शहादत, सबूत एवं सुनवाई का पर्याप्त अवसर देते हुए विधि अनुसार गुणावगुण पर आदेश पारित करे।

{6}- निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(राकेश कुमार गुप्ता)
अपर कलक्टर, नागौर

अपर कलक्टर, नागौर